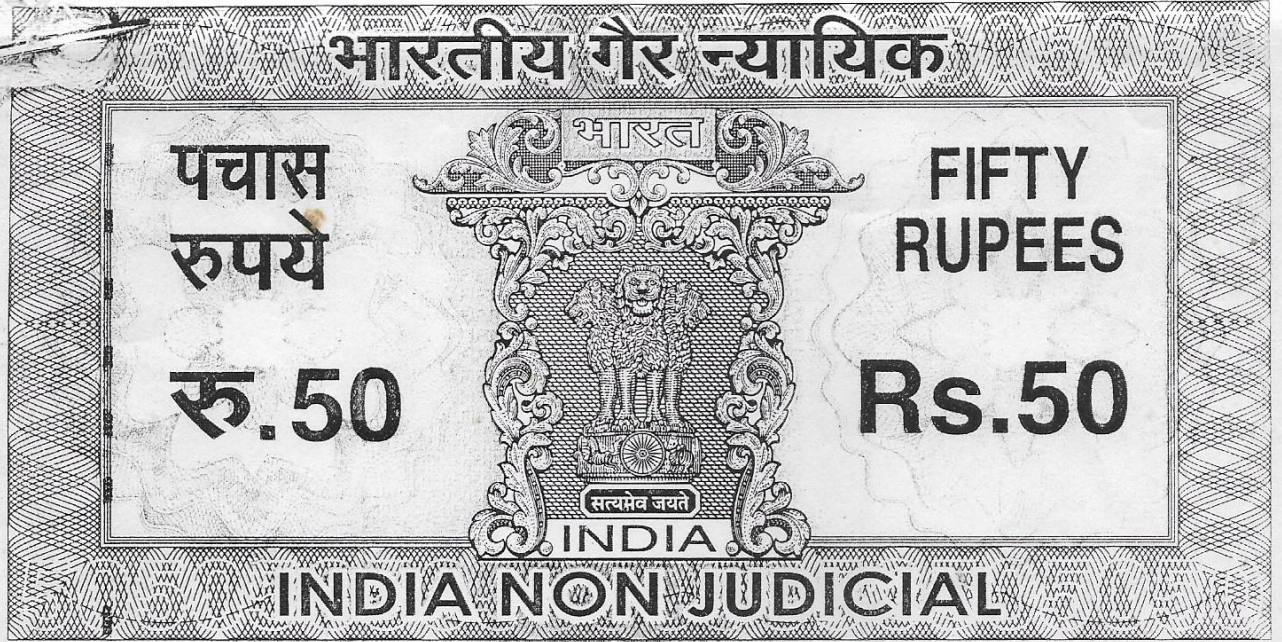


IV 37/16



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BH 068501

ट्रस्ट-विलेख

ट्रस्ट का नाम	-	डॉ० राजेन्द्र प्रसाद वेलफेयर ट्रस्ट
ट्रस्ट कोष	-	11,000/-रु०
स्टॉम्प	-	780/-रु०

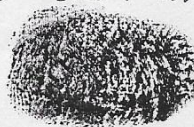
780/-
500/-



हम कि श्रीमती शशी मिश्रा पत्नी श्री सूर्यनारायण मिश्र निवासी ग्राम सकरौली,
पोस्ट सकरौली वाया हाटा, तहसील हाटा, जिला कुशीनगर की हूँ।

.....मुख्य न्यासी (प्रबंधक)

Shashi Mishra

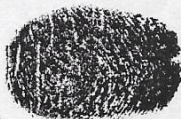




उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BH 068502

हम न्यासी के मन मस्तिष्क में अपने व्यक्तिगत कार्यों के साथ-साथ राष्ट्र एवं समाज हित का चिन्तन बना रहता है हमारी हार्दिक इच्छा रही है कि समाज में सुख शान्ति आपसी सद्भाव सदाचार व शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आदर्श नागरिक गुणों की स्थापना हो। समाज के साधनहीन व्यक्तियों को जीवन की मूलभूति आवश्यकताएं भोजन, शिक्षा, उत्तम स्वास्थ्य व आवास की व्यवस्था हो तथा शिक्षित बेरोजगारों को उनके योग्यता के अनुरूप तकनीकी एवं व्यावहारिक ज्ञान प्रदान कर उन्हें रोजगार का अवसर उपलब्ध कराया जाय। समाज के सामुदायिक विकास में परस्पर भाई-चारा साम्प्रदायिक ताल-मेल बनाये रखने एवं समाज को शिक्षित करने में लिंग भेद, जाति-पाति धर्म और सम्प्रदाय कहीं से भी बाधक न हो। मेधावी व प्रतिभा सम्पन्न छात्रों को अपने देश में अथवा देश के बाहर उच्च शिक्षा हेतु सहायता उपलब्ध कराया जाए जनहित के उक्त कार्यों को संचालित करने तथा उससे लोगों को अधिकाधिक लाभ प्रदान करने के लिए विभिन्न विधियों में समाज को शिक्षित किए जाने की आवश्यकता को देखते हुए विभिन्न संस्थाओं एवं समितियों का गठन किया जाना आवश्यक पाकर इसकी सम्पूर्ण व्यवस्था के लिए हमारे द्वारा एक कल्याणकारी न्यास/ट्रस्ट की स्थापना की जा रही है जिसका नाम डॉ० राजेन्द्र प्रसाद वेलफेयर ट्रस्ट होगा एवं ट्रस्ट का रजिस्टर्ड कार्यालय ग्राम सकरौली, पोस्ट सकरौली बाया हाटा, तहसील हाटा, जिला कुशीनगर का होगा। हम न्यासी ने इस हेतु आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था के लिए मुवलिंग 11000/-रुपया (ग्यारह हजार रुपया) मात्र का एक न्यास कोष स्थापित कर दिया है।



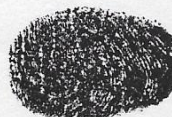


उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BH 068503

विधित हो कि आज की तिथि में उपरोक्त न्यास के पास कुल चल व अचल सम्पत्ति मालियत मुवलिंग 11000/-रुपया (ग्यारह हजार रुपया) की है और आगे भी इस न्यास को उसमें विभिन्न उपयोग से धन की व्यवस्था करते रहेंगे। हम न्यासी ने अपने द्वारा स्थापित न्यास के प्रबंध एवं प्रशासन के बावत एक न्यास पत्र भी निष्पादित कर रहे हैं जिसमें निम्न रूपेण व्यवस्थाएँ हैं :-

- 1- यह कि हम न्यासी (प्रबंधक) द्वारा स्थापित न्यास का नाम "डॉ० राजेन्द्र प्रसाद वेलफेयर ट्रस्ट" ग्राम सकरौली, पोस्ट सकरौली वाया हाटा, तहसील हाटा, जिला कुशीनगर होगा जिसे इस न्यास पत्र में आगे "न्यास अथवा ट्रस्ट" शब्द से सम्बोधित किया गया है।
- 2- यह कि हम न्यासी (प्रबंधक) द्वारा स्थापित उक्त न्यास का रजिस्टर्ड कार्यालय ग्राम सकरौली, पोस्ट सकरौली वाया हाटा, तहसील हाटा, जिला कुशीनगर में होगा। उक्त ट्रस्ट के कार्यों को सुचारु रूप से सम्पादित करने तथा इसके उद्देश्यों की सुगम प्राप्ति के बावत इसके अन्य कार्यालयों की भी स्थापना की जायेगी और उनके कार्यालयों के पते पर ट्रस्ट मजकूर द्वारा गठित की जाने वाली संस्थाओं व समितियों का पंजीकरण सुसंगत अधिनियमों के अन्तर्गत कराया जा सकेगा। ट्रस्ट का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण भारतवर्ष होगा तथा आवश्यकता पड़ने पर भारत के बाहर भी विधि पूर्ण कार्यों का संचालन किया जा सकेगा।





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BH 068504

3- यह कि हम न्यासी ट्रस्ट मजकूर के संस्थापक प्रबंधक होंगे और हम न्यासी न्यास के उक्त पदों के लिए निर्धारित अधिकार एवं कर्तव्यों का प्रयोग कर न्यास की समुचित व्यवस्था करते रहेंगे। हम न्यासी द्वारा ट्रस्ट के संचालन व व्यवस्था के लिए निम्नलिखित व्यक्तियों जो ट्रस्ट के उद्देश्यों के अनुसार ट्रस्ट के हित में ट्रस्ट के ट्रस्टी के रूप में कार्य करने को सहमत हैं, को ट्रस्ट का ट्रस्टी नामित करती हैं। भविष्य में हम न्यासी द्वारा ट्रस्ट के उद्देश्यों की सुगम प्राप्ति हेतु अन्य ट्रस्टीयों की भी नियुक्ति की जा सकेगी हम न्यासी द्वारा नामित ट्रस्टीयों तथा मुख्य ट्रस्टी को संयुक्त रूप से न्यास मण्डल/ट्रस्ट मण्डल कहा जायेगा। सदस्यों की कुल संख्या 07 से अधिक नहीं होगी। ट्रस्ट की स्थापना के समय हम न्यासी द्वारा ट्रस्टी के रूप में नामित व्यक्तियों का विवरण निम्नलिखित है :-

- 1- श्रीमती विद्यावती मिश्रा पत्नी डॉ० राजेन्द्र प्रसाद मिश्र निवासी ग्राम सकरौली, पोस्ट सकरौली वाया हाटा, तहसील हाटा, जिला कुशीनगर।
- 2- श्री उमेश मिश्र पुत्र श्री शिवपूजन मिश्र निवासी ग्राम सकरौली, पोस्ट सकरौली वाया हाटा, तहसील हाटा, जिला कुशीनगर।
- 3- श्रीमती रेखा मिश्रा पत्नी श्री उमेश मिश्र निवासी ग्राम सकरौली, पोस्ट सकरौली वाया हाटा, तहसील हाटा, जिला कुशीनगर।
- 4- श्री सूर्यनारायण मिश्र पुत्र डॉ० राजेन्द्र प्रसाद मिश्र निवासी ग्राम सकरौली, पोस्ट सकरौली वाया हाटा, तहसील हाटा, जिला कुशीनगर।

Shashi Mishra





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BH 068505

- 5- श्रीमती सुधा तिवारी पत्नी श्री अखिलेश तिवारी निवासी मो० बीरबहादुर पुरम् तहसील सदर, जिला गोरखपुर।
- 6- श्रीमती आभा मिश्रा पत्नी श्री राकेश कुमार मिश्र निवासी मो० पुर्दिलपुर निकट मेनका टाकीज शहर गोरखपुर।
- 4- यह कि हम न्यासी (प्रबंधक) द्वारा "डॉ० राजेन्द्र प्रसाद वेलफेयर ट्रस्ट" ग्राम सकरौली, पोस्ट सकरौली वाया हाटा, तहसील हाटा, जिला कुशीनगर के नाम से जिस ट्रस्ट की स्थापना की जा रही है उसके स्थापना का मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित है :-
 - (1) समाज के सभी वर्ग के बालक बालिकाओं के शैक्षिक, शारीरिक, मानसिक आध्यात्मिक, चारित्रिक एवं बौद्धिक विकास के लिए प्राथमिक स्तर से लेकर जूनियर हाई स्कूल, हाई स्कूल, इण्टर, डिग्री व पोस्ट ग्रेजुएट स्तर एवं विज्ञान एवं मैनेजमेन्ट, मेडिकल कालेज इन्जिनियरिंग कालेज, टेक्निकल, प्रोफेशनल कालेजों एवं लॉ कालेजों की शिक्षा की व्यवस्था करना एवं उसका संचालन करना।
 - (2) शिक्षा की सुविधा प्रदान कर बालक एवं बालिकाओं को सच्चरित्र नागरिक बनाना व संस्था के माध्यम से बालक एवं बालिकाओं हेतु सी०बी०एस०सी० बोर्ड/आई०सी०एस०ई० पैटर्न पर अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों की स्थापना करना तथा भारत के नवयुवक एवं नवयुवतियों को मैकेनिकल इलेक्ट्रिकल और सिविल ट्रेड के साथ ही व्यवसायिक प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें एंजलमेन्ट के आधार पर स्वरोजगार उपलब्ध कराना एवं रचनात्मक दिशा देने के लिए लघु उद्योगों, प्राविधिक शिक्षा, प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना करना एवं कम्प्यूटर शिक्षा से सम्बन्धित सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर का प्रशिक्षण देकर उन्हें





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BH 068506

आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास करना तथा निर्बलों के उत्थान हेतु कम्प्यूटर शिक्षा एवं उपयोगी ज्ञान का प्रचार-प्रसार करना तथा सामान्य जन में चेतना जागृत करना सर्वांगीण विकास के लिए पुस्तकालय एवं वाचनालय की स्थापना करना।

- (3) श्री दुर्गा माता मन्दिर, श्री हनुमान जी, भगवान शंकर जी एवं गणेश जी, शनिदेव एवं नवग्रह आदि मंदिरों का निर्माण/जीर्णोद्धार एवं उसके विकास के लिए प्रयास करना एवं हिन्दू संस्कृति की रक्षा बसुधैव कुटुम्बकम् की स्थापना करने के लिए प्रयास करना तथा अतिथि गृह, विवाह गृह का प्रबंध करना तथा समाज में सुख शान्ति आपसी सदभावना व शिक्षा स्वास्थ्य एवं नागरिकों, आदर्श गुणों की स्थापना करना तथा समाज के साधनहीन व्यक्तियों को जीवन की मूल भूत आवश्यकताएँ-भोजन शिक्षा आवास की निःशुल्क व्यवस्था करना ताकी शिक्षित बेरोजगारों को उनके योग्यता के अनुरूप तकनीकी एवं व्यावहारिक ज्ञान प्रदान कर उन्हें "डॉ० राजेन्द्र प्रसाद वेलफेयर ट्रस्ट" द्वारा रोजगार का अवसर उपलब्ध कराना एवं जनहित में उक्त कार्यों को संचालित करने के लिए अधिकाधिक लाभ प्रदान करना तथा समाज के विभिन्न स्तर के लोगों से सहायता प्राप्त करना तथा विभिन्न संस्थाओं एवं समितियों का गठन करना तथा श्री हनुमान जी में राग-भोग दिया-बत्ती की समुचित व्यवस्था करना एवं आवश्यकतानुसार पुजारी, पंडित तथा सेवक की नियुक्ति करना तथा आगन्तुक साधु, महात्मा, बृद्ध एवं विकलांग तथा निरीह लोगों की समुचित व्यवस्था समिति द्वारा करना एवं उनका साहायता करना एवं श्री हनुमान जी मन्दिर में भजन कीर्तन, सत्संग एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करवाना तथा भण्डारा का व्यवस्था करना तथा दुर्गा माता मन्दिर में भगवती





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BH 068507

- जागरण व अन्य कार्यों को कराने की व्यवस्था करना तथा पत्र पत्रिकाओं के माध्यम से दुर्गा माता मन्दिर का प्रचार प्रसार करना एवं लोगो में माता के प्रति जागरूक कराना ।
- (4) धार्मिक विद्यालयों की स्थापना करना एवं उसका प्रचार-प्रसार करना तथा धार्मिक पुस्तकालय एवं वाचनालय की स्थापना करना एवं पर्यावरण की सुरक्षा हेतु जनमानस को सचेत करना एवं उसकी व्यवस्था करना तथा दुर्गा माता मन्दिर में गरीब बालक एवं बालिकाओं की निःशुल्क एक मण्डप में शादी-विवाह का आयोजन करवाना तथा अन्य संस्कारों का प्रबंध करना तथा शिक्षा का प्रचार-प्रसार करना और आम जनता में चेतना जागृत कर उन्हें शिक्षित एवं रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण देकर निर्भर बनाना तथा प्रतिभा सम्पन्न मेधावी छात्रों को देश-विदेश में उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक सहयोग करना ।
 - (5) लिंग भेद जाति-पाति, छुआ-छूत, धर्म और सम्प्रदाय, ऊँच-नीच की भावना को समाप्त करने के लिए प्रशिक्षण/जागरूकता/सर्वे/लिटरेचर आदि की व्यवस्था करना ।
 - (6) शिक्षा प्रचार-प्रसार, उन्नयन तथा देश के किसी क्षेत्र में सामान्य शिक्षा तकनीकी गैर, तकनीकी शिक्षा, विधि शिक्षा, शिक्षा-प्रशिक्षण हेतु विद्यालय, महाविद्यालय स्थापित करना व उसका संचालन करना ।
 - (7) समाज/स्थानीय आवश्यकताओं को देखते हुए नर्सरी, प्राइमरी, माध्यमिक स्कूलों तथा डिग्री एवं पी0जी0 कालेज की स्थापना करना तथा आमदनी के श्रोत हेतु विद्यालय कम्पाउण्ड में दुकान व आवास का निर्माण करना ।

Shashi Mishra

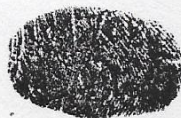




उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BH 068508

- (8) शैक्षणिक क्षेत्र में विभिन्न कक्षाओं के कमजोर विद्यार्थियों के लिए अन्य विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे मेडिकल, इंजिनियरिंग, पालीटेक्निक, बैंक, पीओएसओ, आईओएसओ में प्रवेश की तैयारी के लिए कोचिंग सेंटरों की व्यवस्था तथा उसमें होने वाली आय से संस्था का पोषण करना।
- (9) ट्रस्ट के प्रत्येक योजनाओं में महिलाओं को उनकी योग्यता के अनुसार समुचित प्रतिनिधित्व प्रदान करना तथा उनके न मिलने की दशा में सीट पुरुषों द्वारा भरा जा सकता है।
- (10) अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़े एवं कमजोर वर्गों के लिए स्वरोजगार योजनाओं का प्रबंध करना तथा उनके लिए शैक्षणिक क्षेत्र में कमजोर विद्यार्थियों के लिए अलग से कोचिंग की व्यवस्था करना।
- (11) युवाओं को आत्म निर्भर बनाने के लिये विभिन्न प्रकार के व्यवसायिक ट्रेनिंग जैसे- सिलाई, कढ़ाई, बुनाई, पेन्टिंग, स्क्रीनिंग, इलेक्ट्रानिक, वायरमैन, डीजल एवं मोटर मैकेनिक, रेडियो एवं टीवी ट्रेनिंग, टाइपिंग, शार्टहैण्ड, कम्प्यूटर, फाइन आर्ट, संगीत इसके अतिरिक्त फल संरक्षण कुकिंग, बेकरी एवं मशरूम उद्योग प्रशिक्षण, डाइटिंग प्रशिक्षण आदि जैसे केन्द्रों की स्थापना/व्यवस्था तथा प्रबंधन करना आवश्यकतानुसार उनके लिये प्रशिक्षण कक्ष, पुस्तकालय अध्ययन कक्ष, छात्रावास, भोजन वस्त्र, दवा, यातायात, खेल का मैदान जैसी सुविधाओं को उपलब्ध कराना अन्य ट्रस्ट / सोसाइटी



भारतीय गैर न्यायिक

पचास
रुपये

रु.50



FIFTY
RUPEES

Rs.50

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BH 068511

- /फर्म द्वारा चलाये जाने वाले विद्यालयों, महाविद्यालयों, तकनीकी विद्यालयों एवं कोचिंग संस्थानों के संचालन का कार्य करना।
- (12) खाद्य प्रसंकरण जैसे-जैम, जैली, मुरब्बा, अचार, केचप तथा अन्य फल संरक्षण का प्रशिक्षण देना।
- (13) युवाओं के लिये विभिन्न प्रकार के अन्य उपयोगी प्रशिक्षण जैसे हैण्डी क्राफ्ट, सांस्कृतिक कार्यक्रम, कुकिंग, कला, निबन्ध, व्याख्यान तथा खेल-कूद आदि का आयोजन, प्रतियोगिता तथा विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत करना भी ट्रस्ट का उद्देश्य है।
- (14) विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं परियोजनाओं को क्रियान्वित करना जैसे गूंगे, बहरे, अन्धो, अपंग, एवं मानसिक रूप से कमजोर बच्चो, युवाओं तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/पिछड़ी वर्ग/गरीब बच्चो निराश्रित अनाथ बच्चों एवं युवाओं के लिए विद्यालय, छात्रावास एवं भोजन वस्त्र की निःशुल्क व्यवस्था करना एवं उन्हें आत्मनिर्भर बनाना आदि बिना लाभ-हानि के अन्य छात्रावासों का निर्माण व उसकी समुचित व्यवस्था करना आदि।
- (15) वृद्धों के लिए विश्राम केन्द्र अथवा पुनर्वास केन्द्र की स्थापना करना जिसमे मनोरंजन पढ़ने लिखने एवं उन्हें खेलने की पूर्ण सुविधा हो।
- (16) महिला संरक्षण गृह/विधवा पुनर्वास केन्द्र की स्थापना करना तथा उन्हें सरकारी सहायता दिलाना।



भारतीय गैर न्यायिक

पचास
रुपये

रु.50



FIFTY
RUPEES

Rs.50

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BH 068510

- (17) सामुदायिक विकास कार्यक्रम को बढ़ावा देना तथा आवश्यकतानुसार परामर्श केन्द्र, बरात घर, धर्मशाला, सुलभ शौचालय, चिकित्सा घर, पुस्तकालय, खेल मैदान, योगा प्रशिक्षण केन्द्र आंगनबाड़ी, बालबाड़ी, ड्रामा स्टेज प्रशिक्षण हाल एवं अन्य प्रशिक्षण संस्था की स्थापना एवं प्रबंध करना।
- (18) सरकारी/अर्द्धसरकारी/प्राइवेट व खाली पड़ी जमीन पर आर्थिक महत्व वाले पौधों को बड़े पैमाने पर उगाना, वृक्षारोपण औषधियों एवं जड़ी बूटी वाले पौधों का उत्पादन
- (19) खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के नियमों का पालन करते हुए उससे सम्बन्धित जनहित योजनाओं को लागू करना तथा स्वतः रोजगार के लिए बोर्ड से प्राप्त होने वाले सभी प्रकार के आर्थिक सहायता व अनुदान को स्वतः रोजगार हेतु जन-जन तक पहुँचाना।
- (20) राष्ट्रीय एकता शिविर के द्वारा विशेषकर संवेदनशील एवं अति संवेदनशील राज्यों के लोगो में राष्ट्रीय एकता एवं समर्पण की भावना का विकास करना।
- (21) विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम हेतु आधुनिकतम सुविधा के साथ प्रशिक्षण हाल की स्थापना करना, जिसमें विभिन्न प्रकार के सरकारी एवं गैर सरकारी प्रशिक्षण सम्पादित हो सके जैसे यूनीसेफ, आई0सी0डी0एस0, नेहरू युवा केन्द्र, समाज कल्याण एवं स्वास्थ्य विभाग के द्वारा आयोजित विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षणों का आयोजन करना।
- (22) घरेलू ग्रामीण उद्योग को बढ़ावा देने तथा युवाओं को आत्म निर्भर बनाने के लिये डेयरी उद्योग, रेशम उद्योग, मधुमक्खी पालन, मुर्गी पालन, बत्तख पालन तथा इनसे सम्बन्धित





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

29AA 885076

- बीमारियों की जानकारी रोक-थाम, टीकाकरण के लिये युवाओं को प्रेरित/जागरूक/प्रशिक्षित एवं साधन सम्पन्न करना।
- (23) नशा के सेवन से छुटकारा पाने के लिए नशा-मुक्ति निःशुल्क चिकित्सालय की व्यवस्था करना।
- (24) समाज में व्याप्त बुराईयों जैसे अन्धविश्वास, बाल विवाह, दहेज-प्रथा, बाल-शोषण, बाल-श्रम, महिला-शोषण, लिंग-भेद, अस्पृश्यता, जाति-पाति एवं छुआ-छूत की भावना, स्वेच्छिक भावना के हास को दूर करना तथा इसके लिये जागरूकता/प्रशिक्षण की व्यवस्था करना।
- (25) युवाओं को प्रशिक्षित एवं जागरूक करना तथा आवश्यकतानुसार महिला उत्पीड़न मुक्ति केन्द्र की स्थापना करना।
- (26) सामूहिक विवाह तथा सामूहिक भोज को बढ़ावा देना।
- (27) विभिन्न प्रकार के खेलों को बढ़ावा देना तथा प्रत्येक स्तर पर उनका प्रशिक्षण तथा प्रतियोगिता कराना।
- (28) एड्स, कैंसर, हेपेटाइटिस जैसे रोगों की जानकारी/रोकथाम/नियंत्रण/जागरूकता/उपचार की व्यवस्था एवं सुविधा उपलब्ध कराना तथा जन सामान्य के लाभ हेतु डेण्टल कालेज होमियोपैथिक, आयुर्वेदिक एवं एलोपैथिक मेडिकल कालेज व अन्य

¹¹ Shashi Mishra





उत्तर प्रदेश ~~UTTAR PRADESH~~ चिकित्सकीय/पैरामेडिकल महाविद्यालयों डीम्ड यूनिवर्सिटी तथै ~~29 April 2018~~ ^{29 April 2018} की स्थापना करना व उसका संचालन करना।

- (29) सरकार की सहायता से गाँवों एवं शहरों के विकास हेतु पेयजल, शौचालय, नाली, सड़क निर्माण, पार्क, शिविर एवं भवन निर्माण की व्यवस्था करना।
- (30) कृषि उद्योग को बढ़ावा देने के लिये नये-नये वैज्ञानिक तकनीकी का उपयोग कराना तथा नये-नये शोधित बीजों को उगाने तथा उनसे सम्बन्धित बीमारियों की जानकारी देने अथवा दवा तथा सुरक्षा के लिये आम लोगो तथा किसानों का शिविर लगाकर उन्हें प्रेरित/जागरूक एवं प्रशिक्षित कराना।
- (31) प्राकृतिक आपदा जैसे हैजा, फ्लू, बुखमरी, बाढ़, आग, सूखा, अकाल, चक्रवात, भूकम्प, दुर्घटना की दशा में प्रभावित लोगों की सहायता करना।
- (32) उन समस्त योजनाओं को क्रियान्वित करना जो समाज कल्याण हेतु राज्य सरकार अथवा भारत सरकार द्वारा अनुदानित हैं तथा जिनको विभिन्न विभागों व एनओजीओ के माध्यम से चलाया जा रहा है।
- (33) पंचायती राज एवं उपभोक्ता संरक्षण के बारे में जानकारी तथा अन्य सामान्य ज्ञान व कानूनी जागरूकता के लिये काउन्सिलिंग केन्द्रों की स्थापना करना।
- (34) गरीब लोगो विशेषकर महिलाओं के कानूनी, सामाजिक, आर्थिक या चिकित्सकी सुविधा अथवा सहायता के लिये उपाय करना।
- (35) सरकारी अथवा संस्था के किसी भी उद्देश्य की पूर्ति के लिये सर्वे कार्य करना जिससे न्यास के उद्देश्य की पूर्ति होती है।





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

29AA 885078

- (36) किसी अन्य सरकारी अथवा एन0जी0ओ0 एसोसिएशन, ट्रस्ट के क्रियाकलापों में सहयोग देना जिनके उद्देश्य इस ट्रस्ट से मिलते हो।
- (37) सरकारी तथा गैर सरकारी/लोगो/संस्थाओं/तंत्रों/कम्पनी/दुकानों से आर्थिक सहायता लेकर संस्था के उद्देश्य की पूर्ति करना।
- (38) ट्रस्ट के उद्देश्य की प्राप्ति के लिये इसके शाखा या इसके क्रियाकलापों को आवश्यकतानुसार अन्य जिला/प्रदेशों में स्थापित करना या फैलाना।
- (39) सरकारी, अर्द्धसरकारी अथवा गैर सरकारी बैंकों से संस्था के उद्देश्यों की पूर्ति के लिये ऋण या सहायता प्राप्त करना तथा इनकी शर्तों की अनुपालन में न्यास की चल व अचल सम्पत्तियों को बंधक में देना।
5. **ट्रस्ट मण्डल के अधिकार एवं कर्तव्य :-**
 - 1- समान उद्देश्य की अन्य संस्थाओं व ट्रस्टों से सहयोग एवं सम्पर्क स्थापित करना तथा राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार व विदेशी संगठनों से सहायता प्राप्त करना।
 - 2- ट्रस्ट के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु तथा इसके विभिन्न ईकाइयों को सुचारु व्यवस्था के लिये अन्य संस्थाओं की स्थापना करना तथा इसके लिये समितियों एवं उपसमितियों का गठन करना।
 - 3- ट्रस्ट के अधीन संस्थाओं व समितियों के सुचारु रूप से संचालन के लिये अधिनियम के अनुसार उनकी अलग नियमावली तथा उप नियमों को बनाना।





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

29AA 885079

- 4- ट्रस्ट के अधीन स्थापित संस्थाओं व समितियों की सदस्यता के लिये विभिन्न प्रावधानों को लिखित रूप से तैयार करना तथा इसके लिये धन, सदस्यता शुल्क, दान, चन्दा इत्यादि प्राप्त करना उनकी प्रबंध इकाईयों गठित करना।
- 5- ट्रस्ट के अधीन चलने वाली संस्थाओं की व्यवस्था के लिये शुल्क प्राप्त करना तथा मेधावी छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा हेतु आवश्यक सहायता उपलब्ध कराना।
- 6- ट्रस्ट कर सम्पत्ति की देख-भाल करना तथा ट्रस्ट की सम्पत्ति को बढ़ाने के लिये सतत प्रयास करना और आवश्यकता पडने पर ट्रस्ट की सम्पत्ति को नियमानुसार हस्तान्तरित करना व अन्य प्रकार से उसकी व्यवस्था करना।
- 7- ट्रस्ट के अधीन स्थापित संस्थाओं व गठित समितियों में अनियमितता की स्थिति उत्पन्न होने तथा किन्ही आकस्मिक परिस्थितियों में उसके संचालन के बावत गठित समिति को भंग कर उसकी सम्पूर्ण व्यवस्था ट्रस्ट में निहित करना।
- 8- ट्रस्ट के अधीन स्थापित एवं संचालित संस्थाओं, विद्यालयों, शिक्षण केन्द्रों, चिकित्सालयों, शोध केन्द्रों, गौ-शालाओं व अन्य समस्त समितियों के लिये आवश्यक कर्मचारियों की नियुक्ति करना और इस प्रकार नियुक्ति कर्मचारियों के लिये आचरण नियमावली तैयार करना उनके हित में अन्य कार्यों को करना।





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

29AA 885080

- 9- ट्रस्ट के उद्देश्यों की पूर्ति के लिये तथा ट्रस्ट द्वारा संचालन संस्थाओं के हित में व्यक्तियों संस्थाओं, सरकारी अर्द्ध सरकारी, गैर सरकारी, विभागों व विदेशी संगठनों से दान, उपहार, अनुदान, ऋण व अन्य श्रोतों से धन व सम्पत्तियों को प्राप्त करना तथा विभिन्न माध्यमों से ट्रस्ट के उद्देश्यों की पूर्ति के लिये खर्च करना।
- 10- ट्रस्ट के उद्देश्यों की पूर्ति के लिये ट्रस्ट मण्डल द्वारा संकल्पित कार्यों को करना।
- 11- ट्रस्ट से सम्बन्धित आवश्यक विवरण प्रस्तुत कर ट्रस्ट का पंजीकरण आयकर अधिनियम के अन्तर्गत कराना तथा उक्त अधिनियम की धारा 80-जी0 के अन्तर्गत छूट प्राप्त करने हेतु आवश्यक प्रस्ताव प्रेषित करना।
- 12- ट्रस्ट द्वारा स्थापित की जाने वाली शैक्षिक/तकनीकी/गैर तकनीकी विद्यालयों एवं डीम्ड यूनिवर्सिटी व इन्स्टीट्यूट्स की मान्यता व सम्बद्धता के सम्बन्ध में सम्बन्धित प्राधिकारी/परिनियमावली द्वारा निर्धारित आवश्यक कार्य करना।





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

29AA 885081

5- ट्रस्ट की प्रबंध व्यवस्था :-

(क) ट्रस्ट का गठन एवं संचालन :-

- 1- ट्रस्ट का संचालन ही मुख्य ट्रस्टी (प्रबंधक) होगी। मुख्य ट्रस्टी (प्रबंधक) द्वारा अपने जीवनकाल में ही अगले मुख्य ट्रस्टी को नामित कर सकती है जो उनका विधिक वारिसान (पुत्र/पुत्री) होंगे इस प्रकार मुख्य ट्रस्टी अपनी वसीयत भी अगले मुख्य ट्रस्टी को नामित कर सकती है। यदि किन्ही परिस्थितियों में मुख्य ट्रस्टी की मृत्यु हो जाती है तो उनका उत्तराधिकारी विधिक वारिसान (पुत्र/पुत्री) नामित किये बिना ही हो जायेगा।
- 2- मुख्य ट्रस्टी (प्रबंधक) की अनुपस्थिति, बीमारी या कार्य करने की अक्षमता की स्थिति में उसके द्वारा निर्धारित ट्रस्टी प्रत्यायोजन के आधार पर उसके कार्यों को निष्पादित करेगा।
- 3- मुख्य ट्रस्टी (प्रबंधक) किसी भी समय भी ट्रस्टी को पदच्युत करने में सक्षम होगी इस प्रकार पदच्युत न किये जाने पर आजीवन ट्रस्टी जीवन भर ट्रस्ट मण्डल का सदस्य बना रह सकेगा जबकि तदर्थ ट्रस्टी की कार्यवधि तीन वर्षों की होगी परन्तु उनकी पुनर्नियुक्ति पर कोई निर्बन्धन नहीं होगा।

16 Shashi Mishra



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

29AA 885082

- 4- ट्रस्ट मंडल के किसी भी सदस्य के पदच्युत किये जाने व मृत्यु होने या त्यागपत्र देने अथवा ट्रस्ट विरोधी कार्य करने व पागल हो जाने पर तथा न्यायालय द्वारा दण्डित किये जाने पर तथा दीवालिया होने पर मुख्य ट्रस्टी (प्रबंधक) द्वारा आवश्यकतानुसार नये ट्रस्टी की नियुक्ति की जायेगी।
- 5- ट्रस्ट द्वारा संचालित शिक्षण या गैर-शिक्षण संस्थानों व संस्थाओं का संचालन मुख्य ट्रस्टी (प्रबंधक) के निर्देश के अनुसार उसके द्वारा नियुक्त या निर्दिष्ट व्यक्तियों द्वारा किया जायेगा।
- 6- ट्रस्ट अथवा ट्रस्ट के अंतर्गत किसी भी संख्या के कार्यों के लिये किसी भी व्यक्ति के द्वारा किये गये ~~कार्यों~~ तथा बिलों को औचित्य के आधार पर स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार मुख्य ट्रस्टी के पास होगा।
- 7- ट्रस्ट मंडल के किसी सदस्य द्वारा व्यक्तिगत क्षमता में किये गये किसी कार्य के लिये ट्रस्ट या अन्य ट्रस्टियों का कोई दायित्व नहीं होगा।

ख) ट्रस्ट की बैठकें -

- 1- वर्ष में कम से कम तीन बार ट्रस्ट मंडल की आम बैठक होगी इसमें ट्रस्ट मंडल के सभी सदस्यों के अतिरिक्त ट्रस्ट द्वारा स्थापित संस्थाओं व अन्य इकाइयों के वे सदस्य या पदाधिकारी जिन्हें बुलाया जायेगा, भाग लेंगे। इस बैठक की सूचना न्यूनतम एक सप्ताह पहले मुख्य ट्रस्टी द्वारा संबंधित व्यक्तियों को दे दी जायेगी।





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

29AA 885083

- 2- ट्रस्ट की आम बैठक के अतिरिक्त मुख्य ट्रस्टी (प्रबंधक) किसी भी समय एक सप्ताह की पूर्वसूचना पर ट्रस्ट मंडल संबंधित व्यक्तियों, संस्थाओं तथा इकाइयों की बैठक बुला सकेगी।
- 6)- ट्रस्ट मंडल के अधिकार एवं कर्तव्य-
 - 1- समान उद्देश्य की अन्य संस्थाओं व ट्रस्टों से सहयोग एवं समर्क स्थापित करना।
 - 2- राज्य सरकार, केन्द्र सरकार तथा अय सरकारी, गैर-सरकारी स्रोतों से या व्यक्तियों से सहायता प्राप्त करना।
 - 3- ट्रस्ट के उद्देश्य की पूर्ति के लिये ट्रस्ट की गठित इकाइयों के रूप में संस्थाओं इत्यादि की स्थापना करना।
 - 4- ट्रस्ट के अधीन गठित संस्थाओं व अन्य इकाइयों की सदस्यता तथा अन्य विषयों के लिये नीति-निर्धारण करना तथा ऐसी संस्थाओं व अन्य इकाइयों इत्यादि की आवश्यकता के लिये धन तथा आय के स्रोतों का प्रबन्ध करना।
 - 5- ट्रस्ट की संपत्ति की देखभाल करना तथा इसकी अभिवृद्धि के लिये प्रयास करना।
 - 6- 1) ट्रस्ट के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु संस्थाओं के अतिरिक्त अन्य इकाइयों जैसे विद्यालयों, चिकित्सालयों, गौशालाओं, प्रशिक्षण केन्द्रों एवं अन्य सेवा केन्द्रों इत्यादि की स्थापना तथा संचालन करना।





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

29AA 885084

- 2) ट्रस्ट की अधीनस्थ इकाइओ में अनियमितता की स्थिति उत्पन्न होने तथा किन्हीं आकस्मिक परिस्थितियों में उनके संचालन के लिये गठित समितियों को भंग कर उनकी समस्त व्यवस्था ट्रस्ट में निहीत करना।
- 7- ट्रस्ट तथा ट्रस्ट की अधीनस्थ संस्थाओं तथा अन्य इकाइयों की स्थापना तथा संचालन के लिये आवश्यक सभी कार्यों को निष्पादित करना तथा इसके लिये मुख्य ट्रस्टी (प्रबंधक) के निर्देशानुसार किसी व्यक्ति या विशेषज्ञ को सेवा इत्यादि के लिये अनुबंधित करना।
- 8- ब्याज, लामान्स तथा आय न्यास कोष का वसूल करे तथा उससे वसूली करने का खर्च तथा अन्य अकस्मिक व्यय यदि कोई हो तो अदा करे।
- 9- ऐसे समाज की रचना करना जिसमें बिना किसी जाति विश्वास अथवा धर्म के भेद भाव के प्रत्येक व्यक्ति को समान स्तर की उपलब्धि प्राप्त हो सके।
- 10- ट्रस्ट तथा ट्रस्ट की अधीनस्थ संस्थाओं तथा अन्य इकाइयों के संचालन या अन्य किसी अनिर्दिष्ट परिस्थितियों के उत्पन्न होने या निर्देश स्पष्ट न होने पर मुख्य ट्रस्टी (प्रबंधक) से निर्देश प्राप्त करना तथा ऐसे निर्देशों का असादभावपूर्वक पालन करना।
- 7- क) मुख्य ट्रस्टी की शक्तियाँ -
 - 1- मुख्य ट्रस्टी पूरे ट्रस्ट मंडल का प्रधान होगी। उसके निर्देश व निर्णय से ही ट्रस्ट की समस्त व्यवस्था संचालित की जायेगी।





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

94AC 218220

- 2- मुख्य ट्रस्टी ही ट्रस्ट मंडल के सभी सदस्यों की नियुक्ति करेगी।
- 3- मुख्य ट्रस्टी, ट्रस्टी के हितों के विपरीत कार्य करने वाले किसी भी ट्रस्टी को पदच्युत करने में सक्षम होगी।
- 4- ट्रस्ट के सुचारु संचालन के लिये मुख्य ट्रस्टी द्वारा किसी भी दायित्व का प्रत्यायोजन ट्रस्ट मंडल के किसी भी सदस्य या अन्य व्यक्ति को किया जा सकेगा।
- 5- मुख्य ट्रस्टी किसी भी दायित्व के साथ शक्तियाँ भी प्रत्यायोजित कर सकेगा परन्तु ऐसा प्रत्यायोजन सदैव लिखित होगा तथा वापस लिया जा सकेगा। इस संबंध में मुख्य ट्रस्टी किसी कार्य विशेष या कार्यों की श्रृंखला के लिये किसी व्यक्ति या ट्रस्टी को ट्रस्ट की ओर से सविदा, संव्यवहार या सेवायोजन करने के लिए भी अधिकृत कर सकेगा। ऐसा अधिकृत व्यक्ति ट्रस्ट की ओर से मुख्य ट्रस्टी के निर्देशों के अधीन रहते हुए हस्ताक्षर इत्यादि भी कर सकेगा।





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

94AC 218221

- 6- मुख्य ट्रस्टी (प्रबंधक) ट्रस्ट के लिये संपत्ति कय कर सकेगी तथा ट्रस्ट के हितो मे आवश्यक होने पर विकय या अन्तरित भी कर सकेगी।
- 7- मुख्य ट्रस्टी ही ट्रस्ट की अधीनस्थ, इकाइयो मे भी पदाधिकारियो, सदस्यो इत्यादि की नियुक्ति करेगी। ऐसी समस्त नियुक्तिया मुख्य ट्रस्टी (प्रबंधक) द्वारा आवश्यक समझे जाने पर निरस्त भी की जा सकेगी तथा ऐसे समस्त सदस्य, पदाधिकारी, संस्थाये व इकाइयों मुख्य ट्रस्टी के अधीन सदभाव पूर्वक कार्य निष्पादन करेगें। कार्य निष्पादन मे सदभावना या कार्यकुशलता का आभावे प्रतीत होने पर मुख्य ट्रस्टी द्वारा ऐसे सदस्यो, पदाधिकारियो, कर्मचारियो या अन्यथा नियोजित व्यक्तियो को किसी भी समय पदच्युत किया जा सकेगा।

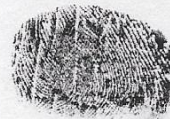




उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

94AC 218222

- 8- मुख्य ट्रस्टी, ट्रस्ट तथा इसकी संस्थाओं व अन्य इकाइयों के संचालन के लिये नियम बनाना तथा संसोधित कर सकेगी।
- 9- ट्रस्ट, इसकी संस्थाओं व अन्य इकाइयों के कार्यकलापों के सम्बन्ध में किसी अन्य अनिर्णय या विवाद की स्थिति में मुख्य ट्रस्टी (प्रबंधक) का निर्णय अन्तिम व मान्य होगा।
- 7- **ख) मुख्य ट्रस्टी के कर्तव्य :-**
 - 1- ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी तथा ट्रस्ट द्वारा स्थापित सभी संस्थाओं व इकाइयों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में कार्य करना।
 - 2- ट्रस्ट की बैठकें आहूत करना तथा इसकी पूर्व सूचना सभी संबंधित व्यक्तियों को देना।
 - 3- ट्रस्ट की कार्यवाहियों को लेखाबद्ध कराना।
 - 4- ट्रस्ट की सभी चल-अचल संपत्तियों की रक्षा करना। इस हेतु आवश्यक होने पर विधिक कार्यवाही करना तथा इस निमित्त परामर्श लेना, विलेख निष्पादित करना, किसी अधिवक्ता की सेवाएँ लेना तथा ट्रस्ट की पैरवी करना।
 - 5- ट्रस्ट की संपत्तियों में वृद्धि के लिये यथोचित प्रयास करना, इस निमित्त शेयर, ऋण पत्र, राष्ट्रीय बचत पत्र, सावधि जमा खाना इत्यादि में निवेश करना।
 - 6- ट्रस्ट के लिये दान, सहायता अथवा अन्यथा प्राप्त धनराशि को प्राप्त करना तथा उसकी रसीद देना।
 - 7- ट्रस्ट की बैठकों की अध्यक्षता करना।

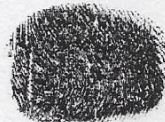




उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

94AC 218223

- 8- ट्रस्ट के समस्त आय-व्यय का लेखा रखना तथा लेखा परीक्षण कराना।
- 9- ट्रस्ट, इसकी अधीनस्थ संस्थाओं व अथ इकाइयों के समुचित संचालन के लिये आवश्यक नियम बनाना।
- 10- ट्रस्ट तथा इसकी संस्थाओं व अन्य इकाइयों के लिये बनाये गये नियमों से ट्रस्ट मंडल को अवगत कराना।
- 11- इस विलेख द्वारा प्रतिबन्धों के अधीन न्यासीगण इस न्यास की सम्पत्ति से प्राप्त आमदनी से भारत तथा विदेश में इसके उद्देश्यों की पूर्ति हेतु खर्च करने के लिए उपयोग कर सकते हैं जहाँ तक की सम्भव हो वे इस बात को ध्यान में रखेंगे की आयकर अधिनियम सन् 1961 की धारा (11) अथवा अन्य किसी समय-समय पर जारी अधिनियम के अधीन कर में छूट प्राप्त करके इस सम्पत्ति को हानी से बचा सके।
- 12- यदि ट्रस्ट मंडल के कोष को भारत के बाहर निवेश करना हो तो इस आशय की अनुमति डायरेक्ट टैक्स की केन्द्रीय परिषद से पूर्व में प्राप्त कर ले।
- 13- न्यासीगण न्यास के उपयोग तथा लाभ हेतु यदि आवश्यकता हो जिससे न्यास का लाभ हो सके, के लिए किन्हीं शर्तों पर जमानत देकर अथवा अन्य प्रकार से धन प्राप्त करे अथवा ऋण हासिल कर सकते हैं।
- 14- न्यासी किसी व्यक्ति, निगम, संस्था, राज्य एवं केन्द्रीय सरकार, किसी अन्य देश अथवा किसी अन्य न्यास से दान, अन्शदान, उपहार या भेट स्वीकार कर सकते हैं यह सब किसी भी रूप में स्वीकार किये जा सकते हैं चाहे वे किसी प्रकार की चल या अचल





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

94AC 218224

सम्पत्ति हो परन्तु ऐसी किसी दान, अनुदान आदि को प्राप्त करने हेतु उसका कारण निधारित करने के लिए बिना मात्र अपने विवेक से नहीं स्वीकार करेंगे ऐसी सभी सम्पत्तियाँ चल अथवा अचल इस प्रकार से प्राप्त होने के पश्चात वे या तो ट्रस्ट की सम्पत्ति का अंश होगी अथवा दानकर्ता की इच्छानुसार रहेगी ऐसे दान यदि स्वीकार कर लिए गये तो उनका विनियोग तथा निस्तारण न्यासियों के निर्णय के अनुसार इस विलेख के उपनियमों तथा शर्तों की सीमा के अन्दर ही सदा किया जायेगा।

8- ट्रस्ट का कोष :-

- 1- ट्रस्ट के कोष की सुचारु व्यवस्था के लिये ट्रस्ट के नाम से किसी राष्ट्रीयकृत बैंक या डाकघर में खाता खोला जायेगा जिसमें ट्रस्ट को प्राप्त होने वाली समस्त धनराशियाँ निहित होंगी।
- 2- मुख्य ट्रस्टी द्वारा आवश्यक समझे जाने पर एक से अधिक खाते भी ट्रस्ट के नाम से खोले जा सकेंगे।
- 3- ट्रस्ट के सभी खातों का संचालन मुख्य ट्रस्टी (प्रबंधक) श्रीमती शशी मिश्रा द्वारा अकेले हस्ताक्षर से किया जायेगा या आवश्यकता पड़ने पर मुख्य ट्रस्टी (प्रबंधक) श्रीमती शशी मिश्रा व ट्रस्ट मण्डल के किसी भी ट्रस्टी के संयुक्त हस्ताक्षरों से खातों का संचालन किया जायेगा। जहाँ तक की ऐसा करना सम्बंधित बैंक या डाकघर के नियमों में अनुमन्य हो।

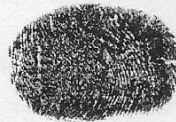




उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

94AC 218225

- 4- मुख्य न्यासी सम्पत्तियों, देनदारियों तथा आमदनी व खर्च जो न्यास से सम्बन्धित हो का सही खाता का रख रखाव करायेगे तथा वर्ष में एक बार उसकी जाँच लेखा परीक्षण से करायेगे तथा उक्त खातो एवं बैलेन्सीट का सत्यापन किसी ऐसे चाटर्ड एकाउन्टेन्ड द्वारा किया जायेगा जिनकी नियुक्ति न्यासियों द्वारा तन्खाह पर अथवा अन्य रूप से की गई हो, कराया जावेगा ऐसे वार्षिक लेखा विवरण की लेखा परीक्षण न्यासियों द्वारा अंगीकृत एवं हस्ताक्षरित जैसे ही वे पूर्ण हो किया जावेगा।
- 9) ट्रस्ट की परिसंपत्तियों—ट्रस्ट की संपत्तियों की व्यवस्था निम्नलिखित रीति से की जायेगी—
- 1- ट्रस्ट के उद्देश्यों के कियान्वयन हेतु मुख्य ट्रस्ट (प्रबंधक) द्वारा व्यक्तियों, वित्तीय संस्थाओं, बैंको या संस्कार से दान सहायता या ऋण लिया जा सकेगा। ट्रस्ट की आय बढ़ाने के लिये किसी भी उचित व वैधानिक माध्यम से प्रयास किये जा सकेंगे। ट्रस्ट की आय के निम्नलिखित प्रमुख स्रोत होंगे —
- 1- देशी एवं विदेशी व्यक्तियों, संस्थाओं से दान, चंदा व ऋण।
 - 2- सरकारी या गैर सरकारी अनुदान।
 - 3- कृषि।

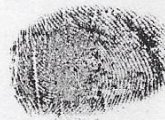




उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

94AC 218226

- 4- देशी एवं विदेशी बैंको, वित्तीय संस्थाओ व व्यक्तियों से ऋण।
- 5- फिक्स डिपोजिट, ऋण पत्रों से ब्याज, शेयर, म्यूचुअल फंड, बांड्स इत्यादि से लाभांश।
- 6- भूमि, भवन, परिसर, वाहन या उपकरणों के किराये से आय।
- 7- कोई अन्य श्रोत या ऐसा श्रोत जो ट्रस्ट के लिये उपयुक्त हो।
- 2- **मुख्य ट्रस्टी**, ट्रस्ट इसकी संस्थाओ व इकाइयों के कार्यों के लिये भूमि, भवन वाहन या आवश्यक उपकरण खरीद सकेगी या किसी चल-अचल संपत्ति के अधिग्रहण के लिये आवश्यक कार्यवाही कर सकेगी, मुख्य ट्रस्टी ट्रस्ट की संपत्तियों को किराये पर दे सकेगी या विक्रय कर सकेगी।
- 3- ट्रस्ट की संपत्तियों को नुकसान पहुँचाने वाले को दंडित करने का अधिकार ट्रस्ट मंडल के मुख्य न्यासी (प्रबंधक) को प्राप्त होगा।
- 4- ट्रस्ट के अधीन स्थापित एवं संचालित संस्थाओ व अन्य इकाइयों के पदाधिकारियों की नियुक्ति तथा सेवा शर्तों के संबंध में मुख्य ट्रस्ट के कार्यों के लिये वैतनिक अथवा शुल्क-ग्राही कर्मचारियों या विशेषज्ञों की सेवाये ली जा सकेगी।
- 5- ट्रस्ट के अधीन किसी संस्था या इकाई में पद संबंधी अथवा विवाद उत्पन्न होने पर मुख्य ट्रस्टी (प्रबंधक) का निर्णय अन्तिम व मान्य होगा किसी न्यायालयीय विवाद की स्थिति में वाद लम्बित रहने तक ऐसी संस्था की परिसंपत्तियों ट्रस्ट में निहित रहेंगी।





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

94AC 218227

- 6- ट्रस्ट द्वारा या ट्रस्ट के विरुद्ध किसी विधिक कार्यवाही का संचालन ट्रस्ट के नाम से किया जायेगा, मुख्य ट्रस्टी द्वारा या उसके द्वारा अधिकृत व्यक्ति द्वारा की जायेगी। मुख्य ट्रस्टी स्वयं या अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से अधिवक्ता भी नियुक्त कर सकेगा।
- 7- ट्रस्ट के आय-व्यय व लेखा परीक्षा के लिये मुख्य ट्रस्टी द्वारा लेखा परीक्षक की नियुक्ति की जा सकेगी।
- 8- ट्रस्ट मण्डल, मुख्य ट्रस्टी के निर्देशानुसार वे सभी कार्य करेगा जो ट्रस्ट के लिये आवश्यक हो तथा ट्रस्ट के उद्देश्यों की पूर्ति में सहायक हों।

10) ट्रस्ट के अभिलेख -

- 1- ट्रस्ट के अभिलेख तैयार कराने के दायित्व मुख्य ट्रस्टी का होगा इसके लिये मुख्य रूप से सूचना रजिस्टर, बैठक कार्यवाही रजिस्टर, संपत्ति रजिस्टर, लेखा रजिस्टर, मुख्य ट्रस्टी द्वारा जारी नियमावली का रजिस्टर इत्यादि सम्मिलित होंगे।
- 2- अभिलेख तैयार कराने के लिये मुख्य ट्रस्टी (प्रबंधक) द्वारा की जायेगी तथा मुख्य ट्रस्टी (प्रबंधक) अन्य व्यक्ति को अधिकृत कर सकेगी तथा वैतनिक कर्मचारियों की नियुक्ति कर सकेगी।



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

94AC 218228

घोषणा

ट्रस्ट की ओर से मैं श्रीमती शशी मिश्रा मुख्य ट्रस्टी के रूप में यह घोषित करती हूँ कि उपरोक्त न्यास पत्र लिखवाकर, पढ़ कर व समझ कर, स्वास्थ्य मन व चित्त से स्वेच्छा से निबंधन हेतु प्रस्तुत किया गया है, जिससे कि इस न्यास का विधिवत गठन हो सके।

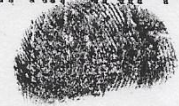
हस्ताक्षर साक्षीगण :

1- अजय पाठेप
 उत्तर प्रदेश पाठेप
 ग्राम पो. सरौली
 तहसील कुशीनगर

2- दयाशंकर सिंह 5/0
 श्री पास ताय सिंह
 ग्राम पो. - धरमपुर (हाथ)
 जिला - कुशीनगर (3090)
 28

हस्ताक्षर मुख्य ट्रस्टी

Shashi Mishra
 (श्रीमती शशी मिश्रा)

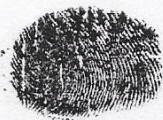




उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

94AC 218229

Shashi Mishra



मजमूनकर्ता

Kamlesh Kumar. Advocate

(कमलेश कुमार एडवोकेट)

दीवानी कचहरी, गोरखपुर।

30.12.2016

टाइपकर्ता

(मानस प्रसाद)

(रामबरन प्रसाद)

दीवानी कचहरी गोरखपुर।



DUPLICATE

भारत निर्वाचन आयोग
पहचान पत्र
ELECTION COMMISSION OF INDIA
IDENTITY CARD

FLC2224053



निर्वाचक का नाम : शशि
Elector's Name : Shashi
पति का नाम : सुर्यनारायण
Husband's Name : Suryanarayan
लिंग/ Sex : महिला / Female
जन्म की तारीख : XX/XX/1976
Date Of Birth : XX/XX/1976

Shashi Mishra

FLC2224053

पता : 56, सकरीली, सकरीली

तहसील - हटा
जिला - कुशीनगर (उ.प्र.)-274203
Address : 56, Sakarauli, Sakarauli

Tehsil - Hata
Distt. Kushinagar (UP)-274203
Date : 30/07/2011

334-हटा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक
रजिस्ट्रेशन अधिकारी के हस्ताक्षर
की अनुकृति

Facsimile Signature of
Electoral Registration Officer
for 334-Hata

292/319

पता बदलने पर, नये पते पर अपना नाम निर्वाचक-
नामावली में दर्ज करवाने तथा उस पते पर इसी नम्बर
का कार्ड पाने के लिए सम्बंधित फार्म में यह कार्ड नम्बर
अवश्य लिखें

In case of change in address, mention this Card
No. in the relevant Form for including your name
in the roll at the changed address and to obtain
the card with the same number



भारत निर्वाचन आयोग
पहचान पत्र
ELECTION COMMISSION OF INDIA
IDENTITY CARD

SOX1726751



निर्वाचक का नाम : अजय
Elector's Name : Ajay
पिता का नाम : सहदेव
Father's Name : Sahadev
लिंग/ Sex : पुरुष / Male
जन्म की तारीख : XX/XX/1985
Date Of Birth : XX/XX/1985

अजय पाण्डेय

SOX1726751

पता : 56, सकरौली, सकरौली

तहसील - हटा
जिला - कुशीनगर (उ.प्र.)-274203
Address : 56, Sakarauli, Sakarauli

Tehsil - Hata
Dist. Kushinagar (U.P.)-274203

Date : 19/08/2011

334-हटा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक
रजिस्ट्रेशन अधिकारी के हस्ताक्षर
की अनुकृति

Facsimile Signature of
Electoral Registration Officer
for 334-Hata

292/944

पता बदलने पर, नये पते पर अपना नाम निर्वाचक
नामपत्र में दर्ज करवाने तथा उस पते पर इसी नम्बर
का कार्ड पाने के लिए सम्बंधित फार्म में यह कार्ड नम्बर
सबध्द लिखें

In case of change in address, mention this Card
No. in the relevant Form for including your name
in the roll at the changed address and to obtain
the card with the same number



भारत सरकार
Government of India
दयाशंकर सिंह
Dayashankar Singh
जन्म तिथि / DOB : 10/10/1976
पुरुष / Male



4169 2023 3926

आधार - आम आदमी का अधिकार

दयाशंकर सिंह



Unique Identification Authority of

पता:
आत्मज: पारस नथ सिंह, 28,
धरमपुर, धरमपुर, कुशीनगर, धर्मपुर,
उत्तर प्रदेश, 274203

Address:
S/O: Paras Nath Singh,
dharampur, Dharampur,
Kushinagar, Dhampur,
Pradesh, 274203

4169 2023 3926

1947
1800 300 1947

help@uidai.gov.in

www